RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –I GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **ECONOMICS**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना के पीछे क्या प्रमुख उद्देश्य हैं ?

उत्तरः- मुद्रा की साख नियंत्रित करना

भारत में बैंकिग व्यवस्था का नियमन, नियंत्रण, विकास

आर.बी.आई

तरलता संतुलित करना

मूल्य स्थिरता

2. WMA **से क्या आशय हैं**?

उत्तरः- 1997-98 से प्रारंभ अग्रिम अर्थोपाय प्रक्रिया WMA हैं, जिसके माध्यम से आर.बी.आई. हीनार्थ प्रबंधन हेतु पूर्व में जारी की गई मुद्रा के आधार पर सरकार को वित्त उपलब्ध करवाती हैं।

3. रेपो रेट को परिभाषित कीजिए ?

उत्तरः- वह ब्याज दर जिस पर आर.बी.आई सभी अनुसूचित बैंको को अल्पकाल के लिए ऋण उपलब्ध करवाता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। वर्तमान में यह 6.50 प्रतिशत हैं।

4. आभासी मुद्रा/बिट कोइन्स के संबंध में कोई दो नकारात्मक प्रभाव लिखिये ?

i. केन्द्रीय बैंको की नियामकीय शक्ति से बाहर होने के कारण धोखाधडी व आपराधिक उपयोग की संभावना ।

ii. इसके प्रयोग से समानान्तर अर्थव्यवस्था स्थापित हो रही है, जिस कारण आधिकारिक मुद्रा के मूल्य व महत्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं।

5. आधार मुद्रा से क्या आशय हैं ?

उत्तरः- M_O अर्थात् उच्चाधिकार प्राप्त मुद्रा जो आर.बी.आई. के पास संरक्षित रहती है व भारत में मौद्रिक नीति का आधार है, आधार मुद्रा कहलाती है। इसके आधार पर ही उपलब्ध मुद्रा भण्डार ज्ञात किया जाता हैं ।

6. वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से हाल ही में प्रारंभ किये गये भारतीय डाक भुगतान बैंको (Post Payment Banks) की विशेषताएँ बताइयें?

उत्तरः-1 सितम्बर को भारतीय डाक भुगतान बैंक का शुभारंभ किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों मे वित्तीय समावेशन व डिजीटल बैंकिग के उद्देश्य से डाकियों द्वारा एण्ड्रोयड फोन के उपयोग से भुगतान व अन्य सेवाएँ उपलब्ध करवाई जाएगी। यह अन्य बैंको की तरह बचत व चालू खाता खोलने की सुविधा प्रदान करेगा व इंटरनेट बैंकिग, एटीएम कार्ड इत्यादि सुविधाएँ भी दी जाएगी। इस प्रकार के बैंक लेनदेन की अधिकतम सीमा 1 लाख रूपये रहेगी। ये बैंक क्रेडिट कार्ड अथवा ऋण देने हेतु अधिकृत नहीं है। **'हब एण्ड स्पोक'** मॉडल पर कार्य करने वाले इन बैंको का ध्येय वाक्य **'आपका बैंक आपके द्वार'** हैं।

7. आर.बी.आई. बैंको का अभिभावक (Parent) हैं।" समझाइयें ।

उत्तर :- भारत का केन्द्रीय बैंक होने के नाते आर.बी.आई. समय-समय पर बैंको का मार्गदर्शन करता हैं (उदाहरण - नेरो बैंकिग), साथ ही अभिभावक की भाँति बैंको की क्रियाविधियों पर नियंत्रण हेतु विभिन्न दरो यथा रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट इत्यादि का प्रयोग कर ऋण उपलब्धतता को संतुलित करता है। धनाभाव की स्थिति मे स्थायी सीमान्त सुविधा द्वारा तात्कालिक रूप से धन उपलब्ध करवाता हैं। आर.बी.आई नये बैंको की स्थापना, लाइसेंस, विलय, जुर्माना इत्यादि का कार्य भी करता है। अतः आर.बी.आई बैंको का अभिभावक हैं।

8. "हाल ही में भारतीय मुद्रा का अत्यधिक मूल्यह्रास (Depriciation of Money) नीतिगत दरिद्रता को प्रकट करता हैं"। इस कथन के परिप्रेक्ष्य में रूपये के मूल्य को स्थायित्व प्रदान करने हेतु आर.बी.आई. के समक्ष क्या-क्या चुनौतियाँ हैं ? विस्तार से समझाइयें।

उत्तरः–हाल ही में भारतीय रूपये के निरन्तर मूल्यह्रास के कारण इसे एशिया के सर्वाधिक खराब प्रदर्शन वाली मुद्रा की संज्ञा दी गई हैं। भारत में विदेशी मुद्रा की तुलना में रूपये के मूल्य को स्थायित्व प्रदान करने का दायित्व आर.बी.आई. का है, इसी क्रम में मूल्यह्रास को आर.बी.आई व सरकार की नीतिगत दरिद्रता करार दे दिया गया किन्तु इसके उत्तरदायी कारकों में आर.बी.आई. द्वारा नीतिगत दरों में वृद्धि न करने के अतिरिक्त भी कई अन्य कारण सम्मिलित है। इनमें सर्वप्रमुख चुनौती, संरक्षणवादी नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की स्थिति हैं।

इसके अतिरिक्त अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा कुशल मौद्रिक नीति निर्माण से निवेशक अमेरिका की ओर आकर्षित हो रहे है, जिस कारण भारत से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का बर्हिगमन जारी है। अमेरिका द्वारा ईरान व रूस पर प्रतिबंध लगाने से कच्चे तेल की कीमतों कें वृद्धि हुई है व अविश्वास के वातावरण का निर्माण हुआ है। भारत में इन सभी कारणों से मुद्रा स्फिती बढ़ी है व डॉलर की तुलना में रूपया कमजोर हुआ है। आर.बी.आई. व सरकार में वैचारिक मतभेद भी इस समस्या का अन्य पहलू है।

अतः आर.बी.आई को उक्त सभी चुनौतियो को ध्यान में रखते हुएव सरकार से समन्वय स्थापित कर मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय लेने होगे।

सारथि एकेडमी